हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, गुरुवार 23 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 32.5 डिग्री
न्यूनतम 25.5 डिग्री

12 जेल के बंदियों के लिए शुरू हुआ होटल मैनेजमेंट...

12 कॉलेजों में स्नातक के दाखिले की पहली कट...

खबर संक्षेप

हादसे के बाद फरार गाड़ी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक स्कॉर्पियो गाड़ी चालक को गिरफ्तार किया है। गढ़ी बोलनी रोड पर स्कॉर्पियो की टक्कर से युवक की मौत हो गई थी। चालक वाहन सहित फरार हो गया था। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर 18 जुलाई को केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में विजय नगर निवासी हनुमान को गिरफ्तार कर लिया। हादसे में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी भी पुलिस ने कब्जे में ले ली।

हुड़दंगबाजी करने के आरोप में चार काबू

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने राजीव नगर निवासी भारत और खासापुरा निवासी बंटी को हुड़दंगबाजी करने के आरोप में आरोप में गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य मामले में पुलिस ने विकास नगर निवासी सन्नी और विकास नगर में ही रह रहे यूपी के जफारा निवासी विवेक को हुड़दंगबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

जालसाजी व रजिस्ट्रेशन एक्ट का आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर रजिस्ट्री कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने गत 2 जुलाई को आरोपी के खिलाफ रजिस्ट्रेशन एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में कोसली निवासी महेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

एक्साइज एक्ट का आरोपी किया गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आबकारी नियमों की धज्जियां उड़ाकर शराब बेचने के मामले में 7 जुलाई को केस दर्ज किया था। आरोपी सैय्यद कॉलोनी निवासी सोहनलाल पुलिस के पहुंचते ही मौका पाकर फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के बाद तलाश शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी महेंद्र को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश कर दिया।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

रेवाड़ी। बालधन खुर्द में लगभग 30 वर्षीय महिला ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खाकर जान दी। पुलिस ने मायके पक्ष के लोगों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव निवासी महिला ज्योति ने रात के समय जहरीला पदार्थ खा लिया। जब उसकी तबियत बिगड़ने लगी, तो परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान ज्योति की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद थाना जाटूसाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर लाधुवास फ्लाईओवर के पास किसी वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

मूल रूप से दिल्ली निवासी लगभग 36 वर्षीय युवक बाइक लेकर जयपुर की ओर जा रहा था। जब वह लाधुवास फ्लाईओवर के पास पहुंचा, तो किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें युवक को गंभीर चोटें आई थी। एंबुलेंस की मदद से युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

होटल-ढाबा मालिकों ने पाट दिए नाले, बारिश होते ही सड़क पर बढ़ने लगा पानी

नेशनल हाइवे के नाले बने आफत सड़क पर पानी भरने से वाहन हो रहे बंद

हाइवे पर पानी जमा होने से खेड़ा बैरियर से लेकर धारूहेड़ा तक लग रहा वाहनों का जाम, 20 किमी की दूरी में लगा रहा एक घंटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरिभूमि सरोकार

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे बरसात का सीजन शुरू होने के बाद वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत साबित हो रहा है। नाले अवरुद्ध होने के कारण बारिश का पानी सड़क पर बहने लगता है, जिससे वाहनों की गति मंद पड़ते ही लंबा जाम लग जाता है। होटल-ढाबा व पेट्रोल पंप मालिकों ने कई स्थानों पर नालों को पाटकर बंद किया हुआ है, जिससे नालों का पानी हाइवे पर बहने लगता है। लगातार दो दिन से हो रही बरसात के कारण यह मुख्य नेशनल हाइवे वाहन चालकों के लिए आफत बना हुआ है। निचले इलाकों में ज्यादा पानी का भराव होते ही वाहन पानी में बंद हो जाते हैं। इसके बाद हाइवे पर जाम लगना शुरू हो जाता है। राजस्थान सीमा पर खेड़ा बैरियर से लेकर धारूहेड़ा तक यही हालात बन जाते हैं। बुधवार सुबह अच्छी बारिश होने के बाद हाइवे पर कई जगह जल भराव हो गया, जिससे वाहन रेंगते हुए चलते नजर आए। लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तय करने में ही एक घंटे से भी ज्यादा का समय लग गया। दिल्ली से जयपुर के बीच सफर करने वाले लोगों को हाइवे की दयनीय हालत के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नेशनल हाइवे के अधिकारियों का कहना कि बरसात से पहले नाले साफ कराए गए थे, लेकिन गाद एकत्रित होने के कारण समस्या पैदा हुई है। एक बार फिर से नालों की सफाई कराई जा रही है।

रेवाड़ी। हाइवे पर जमा बरसात का पानी व लगा जाम। *फोटो : हरिभूमि*

लगातार दूसरे दिन भी हुई झमाझम बारिश

मानसून सक्रिय होने के बाद बुधवार को भी सुबह के समय अच्छी बारिश हुई। तापमान में गिरावट से लोगों को भारी गर्मी से राहत मिल रही है। सुबह बारिश शुरू होने के बाद दोपहर एक बार आसमान साफ हो गया। शाम के समय एक बार फिर कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह मानसून मंद पड़ सकता है।

शहर में भी जलभराव की समस्या

दो दिन के दौरान औसत 40 एमएम बारिश होने का अनुमान है। बारिश सामान्य से कम ही हुई है, परंतु शहर के लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ब्रास मार्केट से लेकर बावल रोड व सेक्टरों तक के लोगों को टूटी सड़कों के गड्ढों में एकत्रित पानी से परेशानी उठानी पड़ रही है। गड्ढे पानी एकत्रित होने के बाद दिखाई नहीं पड़ते, जिससे दुपहिया वाहन चालक हादसों के शिकार हो रहे हैं। नाईवाली सब्जीमंडी दूसरे दिन भी जलभराव से तालाब बनी रही। बरसाती पानी निकासी के तमाम दावे फेल साबित हो रहे हैं। अगर इस समय भारी बारिश होती है, तो शहर के लोगों की परेशानी काफी बढ़ जाएगी।

पुल निर्माण कार्य पहले ही परेशानी

इस नेशनल हाइवे पर धारूहेड़ा, सिधरावली और बिलासपुर के पास तीन फ्लाईओवर बन रहे हैं। वाहनों का आवागमन सर्विस रोड से ही होता है। सर्विस रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने व बारिश का पानी एकत्रित होने के कारण धारूहेड़ा से मानेसर पहुंचने और वापसी करने में ही लोगों के घंटों लग जाते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए पुल निर्माण कार्य सबसे बड़ी आफत साबित हो रहा है। गुरूग्राम और दिल्ली की ओर आवागमन करने वाले लोगों का ज्यादातर समय हाइवे के जाम में ही खराब हो जाता है। अब बावल के आसपास जलभराव ने वाहन चालकों की परेशानी और बढ़ा दी है।

डवाना और लालपुर में चला डीटीपी का बुलडोजर

रेवाड़ी। गांव लालपुर में अवैध कॉलोनी का निर्माण तोड़ती जेसीबी।

- सात एकड़ में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी जमींदोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डीटीपी विभाग की टीम ने बुधवार को शहरी क्षेत्र की राजस्व सीमा में अवैध निर्माणों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की। डीटीपी की कार्रवाई से प्लॉटिंग करने वाले लोगों में खलबली मची हुई है। पुलिसबल की मौजूदगी में डीटीपी की कार्रवाई का कहीं विरोध नहीं हुआ। डीटीपी की लगातार कार्रवाई के बाद भी कॉलोनाइजर व डीलर नई कॉलोनियां विकसित करने में लगे हुए हैं। डीटीपी की टीम ने गांव डवाना व लालपुर की राजस्व सीमा में 7 एकड़ में अवैध रूप से विकसित हो रही कॉलोनियों के निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

डीटीपी के निर्देश पर बुधवार को पुलिसबल व ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ टीम गढ़ी बोलनी रोड स्थित गांव डवाना में पहुंची। जहां डीटीपी की टीम ने करीब 4 एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी का जमींदोज कर दिया। टीम ने यहां पर 4 डीपीपी, 5 परिकास्ट चारदिवारी व कच्चे रोड नेटवर्क को समतल कर दिया।

प्लॉट खरीदने से पहले पूछताछ करें : सिहाग

डीटीपी नरेन्द्र नैन ने कहा कि विभाग की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, जिन्होंने अनियमित कॉलोनियों में निर्माण किए हैं। डीटीपी ने कहा कि लोगों को बार-बार यह बताया जाता है कि वह प्लॉट खरीदने से पहले उनके कार्यालय में आकर पूछताछ जरूर करें। लोग प्रॉपर्टी डीलरों में चंगुल में फंसकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदते हैं। जब वह निर्माण शुरू करते हैं, तो विभाग की ओर से उन्हें गिराने की कार्रवाई की जाती है। इससे प्लॉट खरीदकर निर्माण करने वाले लोगों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ता है। लोगों को चाहिए कि वह नियमित कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदें, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान ना उठाना पड़े।

इसके बाद डीटीपी की टीम गांव लालपुर की सीमा में पहुंची। जहां टीम ने 3 एकड़ में अवैध रूप से विकसित हो रही कॉलोनी में बुलडोजर चलाया। टीम ने यहां पर 3 डीपीपी व कच्चे रोड नेटवर्क को समतल कर दिया।

सड़क निर्माण व पेयजल व्यवस्था को लेकर मंत्री गंगवा से मिले वीर यादव

- मंत्री रणबीर गंगवा ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय में लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। वीरकुमार यादव ने क्षेत्र की सड़कों के निर्माण व मरम्मत, पेयजल व्यवस्था, जनस्वास्थ्य से जुड़े कार्यों सहित अन्य स्थानीय समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। मंत्री गंगवा ने समस्याओं का शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मौके पर विनोद कुमार, एडवोकेट रमेश शर्मा, नठेडा सरपंच मनोज कुमार, मनीष गुप्ता व संजय राव रहे।

एसआईपी के नाम पर हो रही ऑनलाइन ठगी: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र मीणा।

सोशल मीडिया, व्हाट्सएप व टेलीग्राम ग्रुप के जरिए निवेश के नाम पर हो रही साइबर ठगी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने एसआईपी यानि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के नाम पर हो रही साइबर ठगी को लेकर आमजन को सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने बताया कि आजकल साइबर अपराधी लोगों को निवेश के नाम पर झांसा देकर धोखाधड़ी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ठग फर्जी निवेश एप, वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं और उन्हें एसआईपी में निवेश करने पर कम समय में अधिक मुनाफा देने का लालच देते हैं। एसपी ने कहा कि कई बार नकली कंपनी या एजेंट बनकर लोगों को भरोसे में लिया जाता है और शुरूआती छोटे रिटर्न दिखाकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही व्यक्ति अधिक पैसा निवेश करता है, ठग उसका पैसा निकाल लेते हैं और एप-वेबसाइट को बंद कर देते हैं या संपर्क तोड़ देते हैं। कई मामलों में निवेशक को नकली डैशबोर्ड दिखाकर झूठा मुनाफा भी दिखाया जाता है, जिससे वह और अधिक निवेश करता रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निवेश योजना में गारंटीड रिटर्न का दावा करना अक्सर धोखाधड़ी का संकेत होता है। निवेश हमेशा प्रमाणित और अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से ही करना चाहिए। केवल सेबी से पंजीकृत कंपनियों-एजेंट्स के माध्यम से ही निवेश करें। नजान एप, लिंक या वेबसाइट के जरिए एसआईपी में निवेश न करें।

इन ऑफरों से सतर्कता बरते

कम समय में अधिक मुनाफे का वादा करना, बार-बार अधिक पैसे निवेश करने का दबाव बनाना, नकली एप-डैशबोर्ड में फर्जी लाभ दिखाना, अचानक संपर्क बंद कर देना या एप का काम करना बंद हो जाए तो हो सतर्क हो जाए। ये साइबर ठगी के संकेत हो सकते है। एसपी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की साइबर ठगी का संदेह हो या वह इसका शिकार हो जाए, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या साइबरक्रामन. जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज कराएं। एसपी ने कहा कि आमजन जागरूक रहें और बिना जांच-पड़ताल के किसी भी निवेश योजना में पैसा न लगाएं। सुरक्षित निवेश ही समझदारी ही ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

मकान का ताला तोड़कर छह लाख की नकदी और आभूषण चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। गत 2 जून की रात नई आबादी में एक मकान का ताला तोड़कर 6 लाख रुपये और लाखों रुपये के जेवरात चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनसे चोरी किया गया माल बरामद किया जाएगा। नई आबादी निवासी ओमप्रकाश कालरा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि 2 जून को वह कोसली दुकान पर चला गया था। उसकी पत्नी मकान को ताला लगाने के बाद अपने मायके चली गई थी। अगले दिन सुबह के समय सफाई करने वाली महिला कविता घर आई तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। चोर मकान में रखी अलमारी का ताला तोड़कर 3 अगुंठी सोना, 1 मंगलसूत्र सोना, 1 सोने का सिक्का, 2 सैट चांदी की पायल, 4 सैट बच्चों के चांदी के कड़े व 1 लोकेट चांदी का चोरी कर ले गए। चोर गुल्लक में रखे 6 लाख रुपये भी ले गए। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज किया था। इस मामले में सीआईए की टीम ने अभिषेक और बाढड़ा के नांधा निवासी राजकुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है।

एचकेआरएन कर्मचारियों ने तबादला पर किया रोष व्यक्त

कोसली। नाहड़ सब डिविजन के अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की गेट मीटिंग बुधवार को कार्यालय परिसर में हुई। मिटिंग की अध्यक्षता कोसली यूनिट के कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह व नाहड़ सब डिविजन प्रधान कुलदीप ढिल्लों ने की तथा मंच संचालन प्रवीण ने किया। कर्मचारियों की मिटिंग दो घंटे तक चली। कर्मचारियों ने निगम के अधीक्षक अभियंता की ओर से धारूहेड़ा सब डिवीजन में 50 एचकेआरएन कर्मचारियों की बदली किए जाने पर रोष व्यक्त किया तथा बदलियों को रोकने की मांग की गई। मिटिंग में संघ के सभी पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी के दाखिले की तिथि 5 अगस्त तक बढ़ाई

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी के सभी कोर्सों की ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया 5 अगस्त तक बढ़ा दी गई हैं। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि रीजनल सेंटर में छात्राओं के लिए आधुनिक नई कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है व बीए, बीएससी, बीकॉम कोर्स में छात्रा दाखिला लेकर तीन साल में पास कोर्स की डिग्री कर सकती हैं और चार साल में आनर्स डिग्री कर सकती हैं। रीजनल सेंटर के यूजी और पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए छात्राओं को सबसे पहले सभी जरूरी दस्तावेज के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है, जिसके लिए जनरल की फीस 500 रुपए और एससी बीसी 125 रुपए है। सरकार की ओर से एससी-बीसी छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप का प्रावधान है, जिसके लिए छात्राओं के पास अपना नया इन्कम सर्टिफिकेट होना जरूरी है। छात्राएं अपने सभी जरूरी दस्तावेज बनवाकर रीजनल सेंटर में सम्पर्क करें। रीजनल सेंटर में हेल्प डेस्क सुविधा उपलब्ध है। सभी विषयों का अनुभवी स्टाफ है और छात्राओं की सुरक्षा की प्राथमिकता का विशेष ध्यान रखते हुए लाने व ले जाने के लिए स्वयं की दो बसे हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों को किया हाउस डिटेन, समर्थकों सहित दिल्ली जाने की थी तैयारी

तीनों जिलाध्यक्ष घर के अंदर, बाहर पुलिस का कड़ा पहरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में पुलिस ने जिलाध्यक्षों को किया हाउस अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। हाउस डिटेन किए गए कांग्रेस के शहरी प्रधान प्रवीन चौधरी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में समर्थकों के साथ दिल्ली कूच करने की तैयारी कर रहे पार्टी के ग्रामीण, शहरी और एसी प्रकोष्ठ तीनों जिलाध्यक्षों को बुधवार को पुलिस ने हाउस डिटेन कर दिया। दोनों जिलाध्यक्ष घरों के अंदर रहे, जबकि बाहर पुलिस का कड़ा पहरा लगा रहा। ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी, शहरी प्रधान प्रवीन कुमार व एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार सुबह ही दिल्ली के लिए रवाना होने की तैयारी में थे। उनके घर से बाहर निकलने से पहले ही तीनों के मकानों के बाहर पुलिस बल तैनात हो गया। तीनों नेताओं को घर से बाहर नहीं आने की सलाह दी गई। दिन भर उनके निवास के बाहर पुलिस बल मौजूद रहा। शहरी प्रधान प्रवीन चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार नीट पेपर लीक प्रकरण में विरोध जताने वाले छात्रों के साथ बर्बर व्यवहार कर रही है। कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की लड़ाई में पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। मौके पर पूर्व मंत्री जसवंत सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष दीवान चौहान, पंचायती राज संगठन अध्यक्ष विनोद गोला, पूर्व प्रधान हरीश सैनी, भरत सिंह हरचंदपुर, महेंद्र छाबड़ी, दिनेश, हेमंत, प्रदीप, महेंद्र सरपंच, पप्पू पहलवान, कृष्ण कुमार सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी रहे।

दमनकारी नीति अपना रही सरकार: छावड़ी

बाद में अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत में सुभाष छावड़ी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अपनी नाकामी छुपाने के लिए छात्रों के आंदोलन को लाठियों से कुचल रही है। सरकार दमनकारी नीति अपनाते हुए विपक्ष की आवाज को दबा रही है। कांग्रेस नेताओं पर लाठचार्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

राहुल के साथ खड़ा हर कार्यकर्ता : ठेकेदार

कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी नाकामी साबित हुआ है। इस नाकामी पर पर्दा डालने के लिए भाजपा निर्दोष छात्रों और उनका साथ देने वाले नेताओं को शिकार बना रही है। राहुल गांधी छात्रों की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ रहे हैं।

कबीर जयंती व प्रतिभा सम्मान समारोह 25 को

रेवाड़ी। संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संत कबीर जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 25 जुलाई को मोहल्ला कुतुबपुर स्थित धानक धर्मशाला में किया जाएगा। ट्रस्ट के फाउंडर सदस्य व संरक्षक ओमप्रकाश डाबला ने बताया कि समारोह में क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों, खिलाड़ियों व समाजसेवियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल तथा पूर्व डीआईजी राजेश दुग्गल की उपस्थिति रहेगी। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, रोहतक की पूर्व मेयर रेणू डाबला, समाजसेवी डा. टीसी राव, जिला भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलजीत यादव रहेंगे।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

हाई बीपी की वजह से जब महसूस हो सिरदर्द

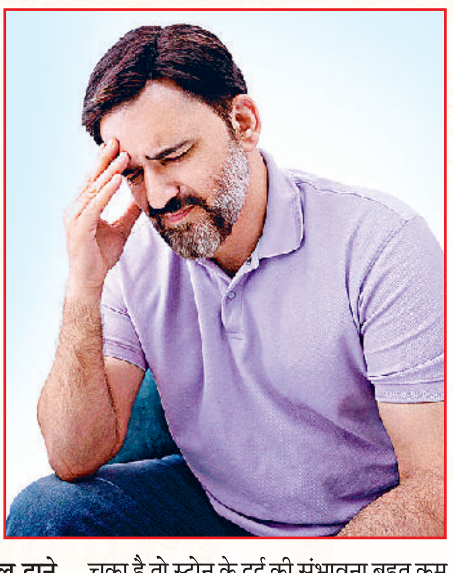

मेरी उम्र 43 वर्ष है। हाल ही में मुझे हाई बीपी की समस्या का पता चला। अकसर सिरदर्द और चक्कर महसूस होता है। कृपया बताएं मुझे कौन सी दवा और कैसी डाइट लेनी चाहिए?
-शेखर, बिलासपुर

आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वे एक हफ्ते तक बीपी मॉनिटर करेंगे। आपका बीपी कब बढ़ता है, किस समय ज्यादा होता है, इसका पता करेंगे। इसके बाद वह दवा डिसाइड करेंगे। बिना जांच के कोई भी बीपी की दवा खाना ठीक नहीं रहेगा। इसलिए डॉक्टर पूरा मॉनिटर करने के बाद ही दवा सजेस्ट करेंगे। उसे आपको रेग्युलर खाना होगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी स्किन पर लाल-लाल दाने और रैशेज हो जाते हैं। इनमें ईचिंग होती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।
-जितेश, जांजगीर चांपा

आपने यह नहीं बताया कि ये दाने पानी वाले हैं या सूखे? क्योंकि दोनों तरह के दाने का कारण अलग-अलग होते हैं। फिलहाल आप इन दानों को नाखून से खुजलाएं नहीं और इन पर नारियल का तेल लगाएं। अगर ज्यादा परेशानी हो रही हो तो आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल कोई भी एंटी एलर्जी दवा आप ना लें।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले हो जाते हैं। इससे चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। कृपया बताएं कि इससे कैसे निजात पाया जाए?
-देवेंद्र, महासमुंद

क्या आपके पैर बरसाती पानी में अधिक रहते हैं? क्योंकि कई बार इस पानी में गंदगी मिली होती है, जिससे पैरों में इंफेक्शन हो जाता है। अगर ऐसा है तो आप घर आकर पैरों को साबुन से धोएं और ठीक तरीके से पोंछें। अगर संभव हो तो डिसइंफेक्टेंट मिले पानी से धुलें और फिर उस के बाद सुखाकर नारियल तेल भी लगा सकते हैं। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ माह पहले किडनी में स्टोन का ऑप्रेशन हुआ था। कुछ दिनों से उसी स्थान पर दर्द हो रहा है। प्लीज बताएं अब मुझे क्या करना चाहिए?
-मुकेश, भोपाल

आपको डॉक्टर से संपर्क कर एक अल्ट्रासाउंड कर लेना चाहिए। अगर आपका ऑप्रेशन हो चुका है तो स्टोन के दर्द की संभावना बहुत कम है। हो सकता है कि इंफेक्शन की वजह से यह समस्या आ रही हो, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है।

मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे सर्दी-खांसी की समस्या लगातार बनी हुई है। कफ-सिरप और दवाइयां भी कुछ खास असर नहीं कर रहीं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।
-कमलेश, जींद

आप बता रहे हैं कि खांसी लंबे समय से आ रही है तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए। वैसे भी 2 सप्ताह से अधिक खांसी होने पर टीबी की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। मौजूदा मौसम में वायरल इंफेक्शन भी हो जाता है, जिससे खांसी आती है। लेकिन आप फिलहाल फ्रिज में रखी चीज और ठंडा पानी पीना बिल्कुल बंद कर दें। बाजार का पानी भी न पिएं। इसके बाद भी राहत नहीं मिलती तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी अस्थमा की समस्या बढ़ जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्या करूं, जिससे इस बरसात के मौसम में स्वस्थ रह सकूं।
-रत्नेश, जबलपुर

आपको घर से निकलते समय मुंह और नाक पर मास्क लगा लेना चाहिए। साथ ही जब तेज हवा या आंधी चले तो कोशिश करें घर के अंदर रहें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को धूल से दिक्कत हो जाती है। इस तरह बचाव करके ही आपको राहत मिलेगी। लेकिन ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर आप इनहेलर या कोई दवा लिखवा सकते हैं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना और इस बीमारी से होने वाली गंभीर जटिलताओं को रोकना है।

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस रोग और इसके होने के कारणों के बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर के कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, **डॉ. सचिन एच. जे.** बताते हैं कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है। यह मुख्य रूप से हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। वहीं, हेपेटाइटिस डी केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होते हैं। संक्रमण के प्रकार के अनुसार बीमारी कुछ मामलों में कुछ सप्ताह में ठीक हो सकती है, जबकि कई मामलों में यह लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर रूप ले सकती है।

लापरवाही हो सकती है खतरनाक

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो यह लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

नहीं दिखते स्पष्ट लक्षण

हेपेटाइटिस रोग होने पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में अकसर इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह है कि कई लोग वर्षों तक इस संक्रमण के साथ सामान्य जीवन जीते रहते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बीमारी कई बार गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। इसलिए हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों के बारे में सजग रहना बहुत जरूरी है।

हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस के लक्षण अलग-अलग रोगियों में अलग तरह के हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बिना कोई परिश्रम किए लगातार थकान महसूस होना, भूख कम लगना, मितली, उल्टी, लंबे समय तक हल्का बुखार बने रहना, पेट के दाईं ओर दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का पेशाब आना, हल्के रंग का मल तथा शरीर में कमजोरी शामिल हो सकती है। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतना जान लेवा हो सकता है।

स्पेशलः वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

हेपेटाइटिस, लिवर यानी यकृत में होने वाला गंभीर वायरल संक्रमण है। अलग-अलग कारणों, लक्षणों और गंभीरता के स्तर पर इसके कई प्रकार होते हैं। इन सभी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव है लेकिन इसके लिए समय रहते हेपेटाइटिस की पहचान होना जरूरी है। इसलिए यहां डिटेल में हेपेटाइटिस के कारणों, उसके लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं।

हेपेटाइटिस समय पर पहचान से पॉसिबल है प्रॉपर ट्रीटमेंट

टीकाकरण-इलाज से बचाव संभव

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय,** हेपेटाइटिस से बचाव के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपायों के बारे में बताते हैं। उनके अनुसार, 'हेपेटाइटिस बी का सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है, इसलिए नवजात शिशुओं से लेकर जोखिम वाले वयस्कों तक सभी को डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना चाहिए। साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें, भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें, केवल नई और स्टेराइल सुई का इस्तेमाल करें। बिना जांचे हुए रक्त कभी ट्रांसफ्यूज न करवाएं। हमेशा सुरक्षित यौन संबंध अपनाएं। टैटू या पियर्सिंग हमेशा प्रमाणित केंद्रों पर ही कराएं। यानी जहां पर हाइजीन और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को हेपेटाइटिस बी या सी का खतरा है या परिवार में किसी को यह संक्रमण है, तो समय पर ब्लड टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। आज हेपेटाइटिस बी को दवाओं से नियंत्रित किया जा सकता है और हेपेटाइटिस सी का आधुनिक एंटीवायरल दवाओं से अधिकांश मामलों में सफल इलाज संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।'

सबसे जरूरी है जागरूकता

हेपेटाइटिस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, समय पर जांच, टीकाकरण और सही इलाज है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कई लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे संक्रमण का पता देर से चलता है। ऐसे में जोखिम वाले लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए और लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन उपायों से होगा बचाव

हेपेटाइटिस से बचाने के लिए आप अपने दैनिक जीवनचर्या में यहां बताई जा रही बातों को अमल में लाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

- हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को अपनाएं।
- स्वच्छ, ताजे और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। हमेशा स्वच्छ और संक्रमणमुक्त पानी ही पिएं। सबसे ज्यादा संक्रमण पानी से ही होता है इसलिए आरओ का पानी या फिल्टर किया हुआ पानी या फिर अच्छी तरह उबाले गए पानी को ही ठंडा कर पीना चाहिए।
- जब भी इंजेक्शन लगवाना हो तो केवल स्टेराइल सुई या डिस्पोजेबल नीडिल का ही का उपयोग करना चाहिए।
- संक्रमित रक्त से बचाव भी जरूरी है। इसलिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन से पहले जरूरी सावधानी बरतें। परीक्षित रक्त ही ट्रांसफ्यूज करवाएं।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए क्योंकि इसका संक्रमण रोगी के संपर्क में आने से फैल सकता है।

ये सभी उपाय संक्रमण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने लिवर के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और समय रहते सही कदम उठाए, तो हेपेटाइटिस से होने वाली अधिकांश गंभीर जटिलताओं और मौतों को रोका जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

सीजनल केयर

निकिता चौहान

आयुर्वेदिक काढ़े से बढ़ेगी इम्यूनिटी

मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण कुछ लोगों को जुकाम, खांसी, स्किन पर रैशेज, दाने, लूजमोशम, बुखार आदि समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा उन लोगों के साथ ज्यादा होता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी थोड़ी वीक होती है। इसलिए यहां आपको कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बता रहे हैं, जिनका काढ़ा आप घर में ही आसानी से बनाकर पी सकते हैं, इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

गिलोयः गिलोय की तासीर एंटी-पायरेटिक होती है, जो शरीर की गर्मी को खत्म करती है और कई बीमारियों से राहत दिलाता है जैसे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आदि में गिलोय का काढ़ा राहत प्रदान करता है।

अश्वगंधाः अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मानसून में होने वाले वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

चिरायताः बारिश के मौसम में पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। जिस कारण एसिडिटी और लूज मोशन होने लगते हैं। चिरायता में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जो हमारे पेट के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

मुलेठीः मानसून में उमस के करण शरीर पर चिपचिपाहट बढ़ जाती है, जिस वजह से रैशेज और खुजली होती है। मुलेठी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

सोंठः बारिश के मौसम में पेट खराब होने के साथ, जुकाम, खांसी और बुखार आदि के मामले बढ़ जाते हैं। सोंठ में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसका काढ़ा पीने से मानसून में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

मोथा घासः मोथा घास को आयुर्वेद में बेहद लाभकारी माना गया है। यह मानसून सीजन में होने वाली खांसी, जुकाम, बुखार और स्किन से जुड़ी समस्यायों से राहत प्रदान करता है।

आमलकीः आमलकी में विटामिन-सी खूब पाया जाता हैं, जो मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करता है।

बनाने का तरीकाः यहां बताई गई सभी जड़ी-बूटियों को 30-30 ग्राम लें। सिर्फ सोंठ को 20 ग्राम ही लें। सभी को रात में पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह सभी जड़ी बूटियों को पानी में डालकर तेज आंच पर गर्म कर लें। अब काढ़ा तैयार है। फिर इसको हल्का ठंडा होने के बाद आधा गिलास सुबह और आधा गिलास शाम को पिएं। यह काढ़ा इस मौसम में रोगों से बचाव में बहुत उपयोगी है। लेकिन बेहतर होगा कि अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके ही इस काढ़े का सेवन करें। *

(आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. श्रेय शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डिजीज

अंशु सिंह

सीआरपीएस एक असामान्य लेकिन बहुत पीड़ादायक समस्या है। यह वास्तव में नर्व्स से जुड़ी समस्या है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर सही उपचार से ही रोगी को राहत मिल सकती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सीआरपीएस यह दर्द सहा न जाए

कहते हैं कि ज्यादातर दर्द कोई न कोई संदेश देता है। यह आपके शरीर की चोट के बारे में बताता है, आराम करने के लिए प्रेरित करता है। चोट ठीक होने पर धीरे-धीरे कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों में दर्द लंबे समय तक बना रहता है। कई बार तेज हो जाता है। मूल चोट के ठीक हो जाने के काफी समय बाद अपनी ही एक अलग स्थिति बना लेता है। इसे ही 'कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम' या सीआरपीएस कहते हैं, जो व्यक्ति की चाल-ढाल, संवेदना, त्वचा और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान सेठी ने इंस्टाग्राम रील में मां की हिम्मत की तारीफ की कि कैसे साल 2025 में कलाई में चोट लगने के बाद उन्हें सीआरपीएस हो गया था। फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के सेट पर चोट लगने के बाद हुई इस बीमारी ने अर्चना के हाथ पर स्थाई असर डाला।

क्या है सीआरपीएसः नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के अध्ययन के अनुसार, सीआरपीएस एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोपैथिक दर्द की बीमारी है, जिसमें चोट लगने के बाद होने वाले सामान्य दर्द की तुलना में दर्द बहुत ज्यादा रहता है। वह लंबे समय तक बना रहता है। यह दर्द को आमतौर पर जलन, चुभन या धड़कन जैसा होता है। कलाई टूटने, सर्जरी के दौरान लगे कट या मामूली मोच जैसी चीजों से शुरू होने वाली यह समस्या आगे चलकर पूरे शरीर में होने वाले गंभीर दर्द में बदल सकती है। यह दो प्रकार के होते हैं। टाइप 1, बिना किसी नर्व इंजरी के होता है जबकि टाइप 2, नर्व डैमेज की पुष्टि होने के बाद होता है।

समस्या का मूल कारणः सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट **डॉ. विशाल** के अनुसार, सीआरपीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल दर्द की स्थिति है, जिसमें किसी एक अंग, हाथ या पैर, चोट, फ्रैक्चर, सर्जरी या यहां तक कि मामूली आघात के बाद लॉन्ग पीरियड फंक्शनल और सेंसरी परिवर्तन विकसित करता है। यह कहीं से हड्डियों या मांसपेशियों को होने वाली क्षति की वजह से नहीं, बल्कि दर्द संकेतों की सही व्याख्या करने में तंत्रिका तंत्र की विफलता के कारण होता है। इस स्थिति में, मूल चोट ठीक होने के बाद भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी दर्द संदेश प्रसारित करना जारी रखते हैं। इससे लंबे समय तक दर्द, कठोरता, सूजन और गति में विकृति आती है। मोटर और ऑटोनॉमिक गड़बड़ियां होने से त्वचा का रंग बदलना, तापमान में बदलाव, सूजन, पसीना आना, अकड़न, कमजोरी और संवेदना में बदलाव आम है।

सीआरपीएस के लक्षणः जलन या चीरने जैसा दर्द, जो लगातार या रुक-रुक कर होता है। ऐसी चीजों से दर्द होना, जिनसे आमतौर पर दर्द नहीं होना चाहिए, जैसे हल्का छूना, हल्की हवा या तापमान में बदलाव। ऐसी चीजों पर बहुत ज्यादा दर्द महसूस होना, जिनसे आमतौर पर सिर्फ हल्की तकलीफ होती है, जैसे सुई चुभना। प्रभावित अंग पर धब्बे दिख सकते हैं। वह लाल, नीला, पीला या बैंगनी हो सकते हैं। प्रभावित हिस्से में सूजन (एडिमा) आ-जा सकती है या बनी रह सकती है। त्वचा चमकदार और पतली हो सकती है या उस पर बहुत ज्यादा पसीना आ सकता है। प्रभावित अंग को हिलाने की क्षमता कम होना, अकड़न बढ़ना, कंपन या मांसपेशियों में ऐंठन होना।

क्या है समाधानः जहां तक सीआरपीएस के उपचार का सवाल है, तो इसमें दर्द कम करने और शरीर की हलचल बनाए रखने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी, नसों के दर्द की दवाएं और कुछ खास मामलों में दर्द कम करने वाले इंटरवेंशनल प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है। डॉ. विशाल का कहना है कि मेंटल सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक रहने वाला दर्द मानसिक रूप से बहुत परेशान करता है। हालांकि सीआरपीएस जानलेवा नहीं है, लेकिन यह जिंदगी अवश्य बदल सकता है। इसलिए बीमारी की गंभीरता के बारे में जानकारी होना जरूरी है, ताकि मरीज समय पर इलाज करवा सके। उसे कभी भी नजरअंदाज न करें। *

अवेयरनेस

डॉ. एम. वली
सीनियर फिजिशियन
सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली

गर्मी में हीट स्ट्रोक हो या बरसात में संक्रमण से दस्त-उल्टी का प्रकोप या किसी बीमारी के कारण डिहाइड्रेशन, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सोल्यूशन) पीना लाभकारी है। **वर्ल्ड ओआरएस डे (29 जुलाई)** पर जानिए इसकी उपयोगिताओं के बारे में।

डिहाइड्रेशन से बचाने में सक्षम जीवनरक्षक ओआरएस

शरीर में पानी और आवश्यक लवणों (इलेक्ट्रोलाइट्स) की कमी पूरी करने वाला विशेष घोल है ओआरएस। डिहाइड्रेशन से बचाने वाला एक वैज्ञानिक, सुरक्षित और जीवनरक्षक उपाय है। सही समय पर, सही मात्रा में और सही तरीके से दिया गया ओआरएस गंभीर जटिलताओं और मृत्यु का जोखिम काफी हद तक कम कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ओआरएस चिकित्सा विज्ञान की सबसे प्रभावी और कम लागत वाली खोजों में से एक है, जिसने पिछले पांच दशकों में लाखों लोगों विशेषकर बच्चों की जान बचाई है।

क्या है ओआरएसः ओआरएस पानी, ग्लूकोज (शर्करा), सोडियम, पोटेशियम और क्लोराइड जैसे आवश्यक खनिज लवणों का वैज्ञानिक अनुपात में तैयार किया गया घोल है। जब शरीर से अधिक मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स निकल जाते हैं, तब यह घोल उनकी कमी को पूरा करने में मदद करता है।

क्या हैं फायदेः शरीर में पानी की कमी तेजी से पूरी करता है। इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है। डिहाइड्रेशन से होने वाली गंभीर जटिलताओं का जोखिम घटाता है। बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता कम कर सकता है। कम लागत में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराता है।

किसके लिए है उपयोगीः ओआरएस इन परिस्थितियों या बीमारी में हर आयुवर्ग के लोगों को दिया जा सकता है। डायरिया, बार-बार उल्टी होने, हैजा, रोटावायरस, नोरोवायरस संक्रमण के कारण वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस होने पर, बहुत ज्यादा गर्मी या लू लगने के दौरान शरीर से बड़ी मात्रा में पानी और लवण निकल जाते हैं। या फिर डेंगू या अन्य बुखार में समुचित मात्रा में न पिए जाने पर व्यक्ति के शरीर में पानी की कमी होने की स्थिति में ओआरएस देना उपयोगी है।

कैसे बनाएंः आजकल बाजार में 5 ग्राम, 10 ग्राम, 21 ग्राम, 50 ग्राम और 75 ग्राम जैसे विभिन्न आकार के ओआरएस पैकेट उपलब्ध हैं। केवल पैकेट का आकार देखकर पानी की मात्रा तय नहीं करें। साफ या उबले और ठंडे किए गए पानी में ही घोलें। पूरे पैकेट को एक साथ निर्धारित मात्रा के पानी में ही घोलें। यदि आधा पैकेट इस्तेमाल करना हो, तो बिना माप के ऐसा न करें, क्योंकि नमक और ग्लूकोज का अनुपात बिगड़ सकता है। घोल तैयार होने के बाद उसे 24 घंटे के भीतर उपयोग कर लें। 24 घंटे बाद बचा हुआ घोल फेंक दें और नया घोल बनाएं।

घर में करें तैयारः यदि बाजार का ओआरएस उपलब्ध न हो, तो घर में भी आसानी से बनाया जा सकता है। 1 लीटर साफ पानी, 6 समतल छोटी चम्मच चीनी और आधी छोटी चम्मच नमक को अच्छी तरह मिलाकर तुरंत उपयोग करें।

रहें सतर्कः ओआरएस पीने से पहले हमेशा पैकेट पर लिखे गए निर्देशों का पालन करें। विशेषकर पैकेट पर लिखी पानी की मात्रा का जरूर ध्यान रखें। कम पानी मिलाने से घोल में नमक और शर्करा की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ सकता है। वहीं अधिक पानी मिलाने से घोल बहुत पतला हो जाता है और शरीर को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाते।

इन बातों का रखें ध्यानः डब्ल्यूएचओ या एफएसएसएआई मानक वाला पैकेटबंद ओआरएस ही बेहतर विकल्प है। संतरा, नीबू या अन्य फ्लेवर वाले ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक, स्पोर्ट्स ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक नाम से उपलब्ध पेय यथासंभव अवॉयड करें। इनमें अकसर चीनी और इलेक्ट्रोलाइट्स का अनुपात नियत मात्रा से अधिक होता है, जिससे ये शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते हैं। दस्त होने पर हर दस्त के बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ओआरएस दें। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

देवास की बेटी हिमांशी ने प्री-नेशनल में बनाई जगह

महेंद्रगढ़। गांव देवास की होनहार निशानेबाज हिमांशी भारद्वाज ने 10 मीटर एयर पिस्टल सब-यूथ वर्ग की प्री-नेशनल प्रतियोगिता देहरादून में शानदार प्रदर्शन कर 350 अंक हासिल किए और नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। हिमांशी की इस उपलब्धि से पूरे गांव देवास, परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। हिमांशी के स्वर्गीय पिता डॉ. हिमांशु भारद्वाज उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रहे हैं। उनकी माता ललिता भारद्वाज ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया और हर परिस्थिति में उनका पूरा सहयोग किया। हिमांशी की इस सफलता पर परिवार, कोच और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामना दी हैं।

जंतर-मंतर की बर्बरता लोकतंत्र पर कलंक

महेंद्रगढ़। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुई कथित बर्बरता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दान सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध के दौरान विपक्ष के नेता को जिस तरह सड़कों पर घसीटा गया, वह भारतीय लोकतंत्र की गरिमा पर गंभीर आघात है। राव दान सिंह ने कहा कि देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों के साथ बल प्रयोग करना भाजपा का अहंकार है।

उपायुक्त कार्यालय पर लगाया देरी का आरोप
हताश होकर नेत्रहीन भाई ने मीडिया के समक्ष रोया प्रशासन का दुखड़ा

1965 की लड़ाई में शहीद की प्रतिमा मंजूरी में ही देरी पत्नी व छोटा नेत्रहीन भाई 6 माह से काट रहे चक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिस सैनिक ने साल 1965 में पाकिस्तान सेना के साथ युद्ध लड़ा और अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना सर्वाच्च बलिदान दिया। उसका परिवार उसी शहीद की प्रतिमा की मंजूरी के लिए प्रशासन के चक्कर काट रहा है। स्थानीय तौर पर पंचायत, स्कूल, शिक्षा विभाग व सैनिक बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद उपायुक्त कार्यालय में फाइल को मंजूर नहीं करने का आरोप शहीद का परिवार लगा है। शहीद की पत्नी कमला देवी और शहीद का छोटा नेत्रहीन भाई वेदप्रकाश आर्य छह माह से उपायुक्त कार्यालय में चक्कर काट रहे है। इस परिवार का कहना है कि प्रतिमा हम हमारे पैसे से स्थापित करेंगे, प्रशासन से तो केवल मंजूरी ले रहे है। इस मंजूरी में ही शहीद परिवार को प्रशासन के द्वार पर चक्कर काटने पड़ रहे है।

यह है शहीद परिवार की शिकायत

गांव गणियार वासी वेदप्रकाश आर्य ने बताया है कि उसका बड़ा भाई सतपाल सिंह सैनिक वर्ष 1965 के युद्ध में शहीद हो गया था। उसकी प्रतिमा स्थापित करने के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय गणियार के प्रांगण में प्रस्ताव दिया था। ग्राम गणियार की पंचायत ने भी अपनी स्वीकृति दे दी है। स्कूल कमेटी ने भी अपनी मंजूरी दे दी है। यह सभी प्रस्ताव विद्यालय के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय भेजे जा चुके है। शिक्षा विभाग के इस

प्रस्ताव को उपायुक्त कार्यालय भेज दिया। उपायुक्त कार्यालय द्वारा जिला सैनिक बोर्ड से रिपोर्ट मांगी। जोकि 18 मई को सैनिक बोर्ड के द्वारा वापस उपायुक्त कार्यालय को रिपोर्ट बनाकर भेज दी गई। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जबकि वह और सैनिक की पत्नी स्वयं उपायुक्त मैडम से दो से तीन बार मिल भी चुके है। इससे पहले उपायुक्त रहे कैप्टन मनोज कुमार से भी मिल चुके है। इसके बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उपायुक्त कार्यालय की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उपायुक्त कार्यालय लापरवाही में इतना लिप्त है, जिसका विवरण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से हर सप्ताह समाधान शिविर लगाया जाता है, वह केवल एक दिखावा है। इसके अलावा कुछ नहीं। इसके अलावा सीएम विंडो पर भी सवालिया निशान है। इस कार्यवाही की शुरूआत किए हुए छह माह की अवधि समाप्त हो गई। यह शहीदों सम्मान नहीं बल्कि अपमान है। इस संबंध में जिला प्रशासन का पक्ष जानने के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली के पास मोबाइल कॉल की गई, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद पक्ष जानने के लिए व्हाट्सएप पर भी मैसेज भेजा गया, उसका भी शाम सात बजे तक जवाब नहीं मिल पाया था।

ग्रामीणों ने उठाए निर्माण गुणवत्ता पर सवाल, निष्पक्ष एवं विजिलेंस जांच की मांग

पहली बार पानी छोड़ने के बाद बह गई 2.66 करोड़ की रिचार्ज परियोजना की स्टोन पिचिंग

ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के तहत बनाई गई स्टोन पिचिंग कई स्थानों से उखड़कर बह गई, जबकि कंक्रीट से निर्मित हिस्सों में भी दरारें और क्षति दिखाई देने लगी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जिले के गांव माजरा कलां के पास दोहान नदी क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा करीब दो करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई रिचार्ज परियोजना पहली बार ही पानी छोड़े जाने के बाद सवालों के घेरे में आ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के तहत बनाई गई स्टोन पिचिंग कई स्थानों से उखड़कर बह गई, जबकि कंक्रीट से निर्मित हिस्सों में भी दरारें और क्षति दिखाई देने लगी है। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और विजिलेंस जांच कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार दोहान नदी क्षेत्र में भूजल स्तर सुधारने और वर्षा जल के बेहतर संरक्षण के उद्देश्य से सिंचाई विभाग ने रिचार्ज परियोजना का निर्माण कराया था। इस परियोजना के तहत नदी क्षेत्र में स्टोन पिचिंग, कंक्रीट संरचनाएं और अन्य आवश्यक निर्माण कार्य किए गए थे। परियोजना पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन पहली बार पानी छोड़े जाने के दौरान ही कई स्थानों पर स्टोन पिचिंग उखड़ गई और बहाव के साथ पत्थर बिखर गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप किया गया होता तो इतनी जल्दी इस प्रकार का नुकसान नहीं होता। उनका आरोप है कि निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थरों की गुणवत्ता कमजोर थी और कंक्रीट का मिश्रण भी निर्धारित अनुपात में तैयार नहीं किया गया। यही कारण है कि पानी का दबाव पड़ते ही निर्माण कार्य टिक नहीं पाया।

महेंद्रगढ़। क्षतिग्रस्त हुई स्टोन पिचिंग। फोटो : हरिभूमि

दोबारा होगी रिपेयरिंग

यह मामला मेरे सज्ञान में आया हैं। एजेंसी को लेटर जारी कर दोबारे से रिपेयरिंग करवाई जाएंगी।
-अरूण कुमार, एसडीओ, सिंचाई विभाग, महेंद्रगढ़

विजिलेंस जांच की मांग

ग्रामीणों ने विजिलेंस जांच की मांग करते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की सरकारी परियोजना में यदि घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है या गुणवत्ता से समझौता किया गया है तो इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई होने से भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक लगेगी और सरकारी धन का सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में परियोजना की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि सरकार विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं होंगे तो योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पाएगा। अब सभी की निगाहें प्रशासन और सिंचाई विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर परियोजना को फिर से सुरक्षित और मजबूत बनाया जाएगा, ताकि इसका वास्तविक लाभ क्षेत्र के किसानों और आम लोगों को मिल सकें।

कई जगह स्टोन पिचिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

ग्रामीण नरेश, राजेंद्र होलदार, विक्रम व सुधीर ने बताया कि नदी क्षेत्र में कई जगह स्टोन पिचिंग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कुछ स्थानों पर कंक्रीट की परतें भी टूटती हुई दिखाई दे रही हैं। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि यदि भविष्य में अधिक मात्रा में पानी छोड़ा गया तो परियोजना को और अधिक नुकसान पहुंच सकता है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि निर्माण टिकाऊ नहीं है तो यह गंभीर लापरवाही का मामला है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की किसी स्वतंत्र एजेंसी से तकनीकी जांच कराई जाए।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

सीआईए ने की अवैध शराब की 117 पेटियां बरामद, पिकअप जब्त

नारनौल। जिले में अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने आठ पेटी बोतल अंग्रेजी शराब, 41 पेटी पव्वा, 67 पेटी पव्वा बरामद की। बरामद शराब को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक पिकअप, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई है। चंडीगढ़ से भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर जालौर (राजस्थान) की ओर जा रही है। सूचना के आधार पर सीआईए ने बस स्टैण्ड खटोटी खुर्द पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। जांच के दौरान संदिग्ध पिकअप को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पिकअप में रखे पीओपी के कट्टों के नीचे छिपाकर रखी गई शराब की पेटियां बरामद हुईं। वाहन के नंबर प्लेट एवं कागजात की जांच करने पर नंबर प्लेट फर्जी पाई गई तथा चालक वाहन के वैध कागजात व बरामद शराब से संबंधित कोई वैध लाइसेंस/परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस द्वारा चालक से पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान भंवरलाल निवासी सांचौर जिला जालौर (राजस्थान) के रूप में बताई। पुलिस ने मौके पर ही अवैध शराब को कब्जे में लिया और परिवहन में प्रयुक्त पिकअप को भी जब्त कर लिया। आरोपित के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत थाना सदर में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली पुलिस के एएसआई नरेंद्र यादव का हार्ट अटैक से निधन

- इ्यूटी खत्म कर घर लौटते समय दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दिल्ली पुलिस में एएसआई के पद पर तैनात निमोठ निवासी नरेंद्र यादव का बुधवार को हार्ट अटैक से निधन से हो गया। गांव में उनका ससम्मान अंतिम संस्कार कर दिया गया। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

लगभग 59 वर्षीय नरेंद्र यादव बुधवार को ड्यूटी करने के बाद छुट्टी लेकर अपने घर आ रहे थे। वह ट्रेन पकड़ने के लिए दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचे, तो अचानक तबियत खराब हो गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में उनका पार्थिव शरीर गांव लाया गया। दिल्ली पुलिस के अधिकारी और जवान भी गांव में पहुंचे। सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसके बाद से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

रेवाड़ी। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए दिल्ली पुलिस के जवान।

छह माह बाद होना था सेवानिवृत्त

नरेंद्र यादव के परिवार में उनकी पत्नी व दो बच्चे हैं। दोनों बच्चे शादी शुदा हैं। उनकी सेवानिवृत्ति में 6 माह का समय बचा हुआ था, लेकिन होनी को शायद कुछ और ही मंजूर था। नरेंद्र यादव काफी मिलनसार स्वभाव के धनी थे। उनके निधन का समाचार सुनते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

रेवाड़ी। वालीबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम। फोटो :हरिभूमि

ब्लॉक स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता में ग्लैक्सी इंटरनेशनल स्कूल की ब्वायज टीम बनी विजेता

रेवाड़ी। जिले के गांव करावरा मानकपुर स्थित ग्लैक्सी इंटरनेशनल स्कूल में लड़कों की ब्लॉक स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंडर-14, 17 एवं 19 आयु वर्ग की हुई स्पर्धा में पूरे ब्लॉक से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। प्रतियोगिता के अंडर-14 आयु वर्ग में मेजबान ग्लैक्सी इंटरनेश्नल स्कूल की टीम विजेता रही। अंडर-17 में जीएचएस मोहदीनपुर की टीम अव्वल रही, जबकि अंडर-19 आयु वर्ग में बीपी स्कूल रोझूवास के खिलाड़ियों ने बाजी रही। यह विजेता टीमें अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपने-अपने ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेगी। स्कूल निदेशक एडवोकेट निशांत यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लगातार कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज का युवा शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपना भविष्य संवार रहे हैं। केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकारें भी खेल तथा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए अनेकों योजनाएं क्रियान्वित कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना बनी जरूरत : रेशम

- जेल परिसर में एसपी की अगुवाई में लगाए 200 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला जेल परिसर में बुधवार को जेल अधीक्षक रेशम सिंह की अगुवाई में पौधारोपण अभिया चलाया गया। इस दौरान जेल परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए 100 फलदार और इतने ही छायादा पौधे रोपित किए गए। जेल के पूरे स्टाफ ने पौधा लगाओ अभियान में सहभागिता की। यह पौधे प्रदेश के मोटिवेशनल स्पीकर हरनाम सिंह की ओर से मुहैया कराए गए थे, जो पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय बीड़ा उठाए हुए हैं। कार्यक्रम में रेशम सिंह ने कहा कि कि अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। पौधे न केवल पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने सभी लोगों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

रेवाड़ी। जेल परिसर में पौधारोपण करते स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

यह रहे उपस्थित

मौके पर जेल उप अधीक्षक राजेश लोहचब, रामकुमार, अजय बल्हारा सहित जेल के अधिकारी रहे। इस मौके पर एसपी ने जवानों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

अघोषित बिजली कट से उपभोक्ता परेशान

सतनाली मंडी। सतनाली कस्बे में अघोषित बिजली कटौती से परेशान स्थानीय निवासियों ने बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर डीएचबीवीएन एसडीओ ऑफिस में ज्ञापन सौंपा। एसडीओ के नाम सौंपे ज्ञापन में उपभोक्ताओं ने बताया कि कस्बे में पिछले कुछ दिनों से बार-बार बिजली के अघोषित लंबे कट लग रहे हैं, जिससे उपभोक्ता परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि कस्बे में ट्रांसफार्मरों पर रिले की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी एक ट्रांसफार्मर में फॉल्ट आने पर पूरे गांव की बिजली बाधित न हो। वर्तमान स्थिति में एक स्थान पर तकनीकी खराबी आने से पूरे कस्बे की बिजली घंटों तक गुल रहती है, जिससे आमजन, व्यापारी, विद्यार्थी व किसान सभी प्रभावित हो रहे हैं।

एसआईआर को शत प्रतिशत पूरा करें बीएलओः डीसी

अभिषेक मीणा, डीसी

रेवाड़ी। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत गणना प्रपत्र जमा कराने के केवल 2 दिन शेष रह गए हैं। 24 जुलाई गणना प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि है। डीसी अभिषेक मीणा ने अपील करते हुए कहा कि जिन मतदाताओं ने गणना प्रपत्र अपने संबंधित बीएलओ को जमा नहीं कराए हैं वें समय रहते गणना प्रपत्र जमा करा दें। डीसी ने बीएलओ को निर्देश दिए कि कि अंतिम दो दिनों में कार्य में और अधिक तेजी लाकर विशेष गहन पुनरीक्षण को शत प्रतिशत पूरा करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक गणना प्रपत्र का समयबद्ध संग्रहण, डिजिटाइजेशन तथा पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित किया जाए। किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता 31 जुलाई को प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अपने नाम और अन्य विवरणों की सावधानीपूर्वक जांच अवश्य करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध, त्रुटिरहित एवं सटीक होना लोकतंत्र की मजबूती का आधार है।

जन्मदिवस पर सबको करना चाहिए पौधरोपण

रेवाड़ी। जन शक्ति जागृति मंच ट्रस्ट की ओर से बुधवार को तुर्कियावास रोड अर्जुन नगर स्थित राजा वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का अयोजन हेमलता खींची के जन्मदिवस पर किया गया। इस मौके पर मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष मेनका सोनी ने कहा कि सभी को जन्मदिवस जैसे अवसरों पर पार्टी इत्यादि करने की बजाए पौधारोपण करने जैसी शपथ लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को खुशियों के अवसर पर जीवन में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मंजू शर्मा, सचिव आरती शर्मा, गोविंद युवा क्लब महेश यादव, अंचल, जितेंद्र, संतोष व चेतना रहे।

बीरबल का छत्ता और चोर गुंबद का डीसी ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बुधवार को जिले के प्रसिद्ध ऐतिहासिक धरोहर बीरबल का छत्ता (राय बाल मुकुंद दास का छत्ता) तथा चोर गुंबद का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है। शहर अपनी प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों और धरोहरों के लिए पूरे देश में एक विशेष पहचान रखता है। इन ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और सौंदर्यकरण न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को भी नई गति प्रदान करेगा।

उपायुक्त ने बीरबल का छत्ता के निरीक्षण के समय वहां चल रहे मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्विनी कुमार को निर्देश दिए कि जीर्णोद्धार के इस कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके बाद डीसी ने प्रसिद्ध चोर गुंबद का दौरा किया। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश कि ऐतिहासिक धरोहरों की पहचान उनकी भव्यता और स्वच्छता से होती है।

नारनौल। ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण करती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

स्थायी पता सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है, होमटाउन पूर्ववत ही रहेगा

अब सेवा के दौरान बदला जा सकेगा स्थायी पता, लेकिन 'होमटाउन' रहेगा अपरिवर्तित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार के मानव संसाधन विभाग ने सरकारी कर्मचारियों के होमटाउन (गृह नगर/गृह जिला) तथा स्थायी पते को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा तथा आवश्यक संशोधन इसी सीमा तक प्रभावी होंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 'होमटाउन' और 'स्थायी पता' दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं तथा दोनों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जाएगा। जारी निर्देशों के अनुसार किसी सरकारी कर्मचारी का होमटाउन वही गांव या शहर होगा, जहां वह सरकारी सेवा में पहली नियुक्ति से पहले निवास करता था, जहां उसका पारिवारिक एवं सामाजिक जुड़ाव है, जहां उसका या उसके संयुक्त परिवार का आवासीय संपत्ति पर स्वामित्व है अथवा जहां उसके निकट संबंधी रहते हैं। यही स्थान कर्मचारी का मूल गृह नगर माना जाएगा।

सेवा के बाद या सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है स्थायी पता

निर्देशों में कहा गया है कि राजपत्रित अधिकारियों को उनके गृह जिले में पदस्थापित नहीं किए जाने का प्रावधान निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। गृह जिले से बाहर पदस्थापन होने पर स्थानीय प्रभाव, पक्षपात, हितों के टकराव तथा संवेदनशील मामलों में निष्पक्ष निर्णय लेने में सुविधा रहती है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, ईमानदारी और जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। मानव संसाधन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्थायी पता सेवा के दौरान अथवा सेवानिवृत्ति के बाद बदला जा सकता है, लेकिन होमटाउन (गृह जिला) पूर्ववत ही रहेगा। साथ ही, जिन कर्मचारियों के होमटाउन अथवा स्थायी पते में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से पहले ही परिवर्तन किया जा चुका है, उन मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा।

यहां लिखे स्थाई पता

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सेवा के दौरान यदि कोई कर्मचारी नई जगह पर स्थायी रूप से बस जाता है, परिवार स्थापित कर लेता है अथवा वहां आवासीय संपत्ति खरीद लेता है, तो उसकी मांग पर उस स्थान को उसका "स्थायी पता" माना जा सकता है। इसके लिए सक्षम नियुक्ति प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक होगी। हालांकि, ऐसी स्थिति में भी कर्मचारी का होमटाउन या गृह जिला नहीं बदलेगा।

खबर संक्षेप

ग्रीवेंस कमेटी की बैठक बाल भवन में कल

रेवाड़ी। नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 24 जुलाई को बाल भवन में होगी, जिसकी अध्यक्षता लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 16 परिवादों की सुनवाई की जाएगी, जिनमें 11 नए, 4 लंबित व एक अनुपूरक परिवाद शामिल हैं। इस अवसर पर जिले के विधायक, विभाग अध्यक्ष, पंचायत व निकाय समितियों के चेयरमैन तथा जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

ट्यूबवेल की केबल चोरी करने के दो आरोपी काबू

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने ट्यूबवेल की केबल चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस शिकायत में महेश्वरी निवासी रमेश चंद ने बताया कि दो आदमी उसके ट्यूबवेल के पास बिजली की केबल जला रहे थे। उसने दोनों को पकड़ लिया। आरोपियों ने अपना नाम भीम बस्ती धारूहेड़ा निवासी लोकेश उर्फ लोकी और गोयल कॉलोनी निवासी आकाश बताया। उसने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने दोनों को काबू करते हुए उनके खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया।

23 से 27 जुलाई तक ऑनलाइन फीस जमा कर सकेंगे विद्यार्थी

कॉलेजों में स्नातक के दाखिले की पहली कट ऑफ लिस्ट हुई जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

उच्चतर शिक्षा निदेशालय की ओर से बुधवार को स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले की पहली मेरिट सूची जारी कर दी गई। जिले के कॉलेजों में गत दिवस मंगलवार देर शाम को पहली प्रोविजनल लिस्ट जारी की गई थी। इस बार कॉलेजों में 80 प्रतिशत विद्यार्थियों के आवेदन आए थे। विद्यार्थी सुबह से ही कॉलेजों में पहुंच गए थे, लेकिन पोर्टल पर अपलोड होने के बाद कॉलेजों में शाम 4 बजे बाद दाखिले की पहली मेरिट लिस्ट लगाई गई। पहली लिस्ट में शामिल विद्यार्थी 23 से 27 जुलाई तक फीस जमा करा सकेंगे। 28 जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट सूची व 29 जुलाई को दूसरी फाइनल मेरिट लिस्ट लगाई जाएगी, इस लिस्ट में आने वाले विद्यार्थी 30 जुलाई से 3 अगस्त तक फीस जमा करा सकेंगे। 4 अगस्त को रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग होगी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन के लिए 5 अगस्त को पोर्टल फिर से ओपन होगा। इस दौरान वे विद्यार्थी भी आवेदन कर सकेंगे, जो वंचित रह गए थे। इसके बाद 6 से 12 अगस्त तक खाली सीटों पर लेट फीस से दाखिले किए जाएंगे। पहली मेरिट लिस्ट के छात्र 27 तक फीस भरें

आरडीएस गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य दलबीर सिंह यादव ने बताया कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय की ओर से स्नातक के दाखिले की पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। लिस्ट में आने वाले विद्यार्थी अपने दस्तावेजों के साथ 27 जुलाई तक फीस भर सकते है। 29 जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट लगाई जाएगी तथा 5 अगस्त को रिक्त सीटों के लिए पोर्टल फिर से ओपन होगा।

> दूसरी मेरिट लिस्ट में पहली मेरिट लिस्ट से वंचित विद्यार्थी होंगे शामिल
> रिक्त सीटों के लिए 5 अगस्त से फिर से ओपन होगा पोर्टल

रेवाड़ी। पहली मेरिट लिस्ट में नाम आने पर आरडीएस गर्ल्स कॉलेज में दस्तावेज चैक कराते हुए छात्राएं तथा फीस जमा कराते हुए छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

जिले के कॉलेजों में पहली मेरिट लिस्ट का प्रतिशत

सेक्टर-18 स्थित प्रथम शिक्षिका माता **सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय** में बीए में 379 छात्राओं के नाम प्रथम मेरिट सूची में शामिल किए गए। इनमें विभिन्न वेटेज के साथ सर्वोच्च 101.60 प्रतिशत रहा। वहीं न्यूनतम 49.60 प्रतिशत मेरिट वाली छात्रा का भी प्रथम सूची में नाम शामिल है। बीसीए में 58 छात्राओं की सूची में अधिकतम 99.8 तथा न्यूनतम 81.4 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा का नाम शामिल है। बीकॉम में 114 छात्राओं की सूची जारी हुई। इसमें सर्वोच्च 107.60 तो न्यूनतम 58.20 प्रतिशत मेरिट रही। बीएससी फिजिकल साइंस मेजर फिजक्स में 96.80 सर्वोच्च तो 73.40 प्रतिशत न्यूनतम रहा। बीए मेजर अंग्रेजी में विभिन्न वेटेज के साथ सर्वोच्च 103.20 प्रतिशत रहा। वहीं न्यूनतम 64.40 प्रतिशत प्राप्त छात्रा का भी प्रथम मेरिट सूची में नाम शामिल है। **राजकीय महिला महाविद्यालय पाली** में बीए में सर्वाधिक 96.6 तो न्यूनतम 53.80 प्रतिशत वाली छात्रा का नाम शामिल हुआ। वहीं बीए आनर्स अंग्रेजी में 92.40 सर्वोच्च तो 64.40 प्रतिशत न्यूनतम रहा। बीकाम में 87.40 अधिकतम तो 68.40 न्यूनतम, बीएससी में 94.20 अधिकतम व 72.20 न्यूनतम प्रतिशत रहा। **राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा** में बीए में 179, बीकाम में 86, बीएससी फिजिकल साइंस में 22, बीएससी मेजर कैमिस्ट्री में 31 विद्यार्थियों की सूची जारी की है। इसमें बीए में 59.40, बीकॉम में 57, बीएससी फिजिकल साइंस में 52.40, बीएससी मेजर कैमिस्ट्री में 65.60 प्रतिशत प्राप्त विद्यार्थी का प्रथम मेरिट सूची में नाम शामिल है। **आरडीएस गर्ल्स कॉलेज** में बीएससी फिजिकल साइंस में एआईओसी 69 प्रतिशत, बीकॉम में एआईओसी 91 प्रतिशत व एचओजीसी 65 प्रतिशत, बीए में एआईओसी 64 प्रतिशत, ओएससी 40 प्रतिशत, डीएसई 48 प्रतिशत, बीसीए 47 प्रतिशत व बीसीबी में 44 प्रतिशत की सूची जारी की है।

फीस भरने के लिए जरूरी दस्तावेज

मेरिट लिस्ट में नाम आने के बाद फीस भरने के लिए विद्यार्थियों को 10वीं व 12वी की ओरिजनल मार्कशीट व फोटोकॉपी, टीसी, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, जाति व आय प्रमाण पत्र यदि जरूरी हो तो, सीट अलॉटमेंट लेटर, पासपोर्ट साइज फोटो, ऑनलाइन पेमेंट के लिए डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड व नैट बैंकिंग जरूरी है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को तुलसी के पौधे वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शक्ति केंद्र की बैठक में बूथ गठन पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सेक्टर-4 शक्ति केंद्र पर संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शक्ति केंद्र प्रमुख आशा मखीजा ने की। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष समीर कालरा, प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष नीतू चौधरी, शक्ति केंद्र प्रभारी एवं भाजपा जिला आईटी सेल प्रमुख नवीन कुमार, बूथ अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण शर्मा, अन्नू बहल, डीएम यादव, मंडल महामंत्री मुकेश सरवान व जयंत बहल सहित सभी बीएलए-2 व बूथ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर शक्ति केंद्र प्रभारी नवीन कुमार ने सभी बूथ अध्यक्षों से प्रत्येक बूथ पर मजबूत व सक्रिय बूथ समितियों का शीघ्र गठन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सशक्त बूथ संगठन ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। आशा मखीजा ने बूथ अध्यक्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनने तथा कार्यक्रम की फोटो सरल एप पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का आग्रह किया। समीर कालरा ने कार्यकर्ताओं को डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण प्रदान किया तथा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग, संगठनात्मक कार्यों के ऑनलाइन संचालन व सरल एप के उपयोग की जानकारी दी। इस मौके पर अन्नू बहल ने कार्यकर्ताओं को तुलसी के पौधे वितरित किए।

- बैठक की अध्यक्षता शक्ति केंद्र प्रमुख आशा मखीजा ने की

उपचार केंद्र में गोवंश के लिए दवाइयां की भेंट

रेवाड़ी। समाजसेवी नवीन कुमार ने गोसेवा के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए परमार्थ फाउंडेशन गो उपचार केंद्र में घायल एवं बीमार गायों के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां भेंट की। इस अवसर पर फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि ये औषधियां उपचाराधीन गायों के इलाज में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा सहयोग भी असहाय एवं घायल गोवंश को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अन्य सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से भी गोसेवा के पुण्य कार्य में आगे आकर दवाइयों, चारे एवं अन्य आवश्यक सामग्री का सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर साहिल, प्रयास, देवेंद्र, निखिल, महेश व दिनेश मौजूद थे।

एसोसिएट प्रो. डॉ. श्रुति त्यागी को शोध के लिए 28.24 लाख का अनुदान स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. श्रुति त्यागी को हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद की ओर से हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड योजना के अंतर्गत उनके शोध प्रोजेक्ट के लिए 28,24,800 का शोध अनुदान स्वीकृत किया गया है। डा. त्यागी का शोध प्रोजेक्ट ड्रोसोफिला (फल मक्खी) का उपयोग करके जैविक धातु ऑक्साइड-संवर्धित आलू का पोषण संबंधी एवं विषाक्तता संबंधी मूल्यांकन शीर्षक पर आधारित है। इस परियोजना का उद्देश्य जैविक धातु ऑक्साइड से समृद्ध आलू के पोषण एवं विषाक्तता संबंधी प्रभावों का अध्ययन ड्रोसोफिला मॉडल के माध्यम से करना है, जिससे सुरक्षित एवं पोषक कृषि उत्पादों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। इस दो वर्षीय अनुसंधान परियोजना में प्रो. पंकज कुमार त्यागी, विभागाध्यक्ष प्राणी विज्ञान विभाग एवं अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान संकाय, सह-अन्वेषक के रूप में सहयोग करेंगे। परियोजना के अंतर्गत आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों, अनुसंधान सहायक, प्रयोगशाला सामग्री तथा उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिससे विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

डा. श्रुति त्यागी

कुलपति ने दी बधाई

कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने इस उपलब्धि पर डा. श्रुति त्यागी एवं उनकी अनुसंधान टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार तथा कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी तथा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान पहचान को और सुदृढ़ बनाएगी।

रेवाड़ी। भौतिक विज्ञान विषय में पीएचडी की डिग्री हासिल करती दीपिका।

कोसली की दीपिका ने भौतिक विज्ञान में की पीएचडी

कोसली। कोसली निवासी दीपिका ने प्रतिष्ठित आईआईटी कानपुर से भौतिक विज्ञान विषय में पीएचडी की डिग्री पूरी कर अपने परिजनों एवं क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित मैरी क्यूरी परीक्षा भी पास की है। इस उपलब्धि पर सरपंच रामकिशन जांगड़ा, ओमप्रकाश डाबला व अंकुर पटवारी ने दीपिका को बधाई दी। ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दीपिका की उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए एक प्रेरणा बनेगी। इससे ग्रामीण अंचल की बेटियों को उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का नया हौसला मिलेगा। दीपिका ने कहा कि उनकी इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान उनकी माता राजकुमारी का है।

कबड्डी में अंडर-17 में छात्र टीम प्रथम

- एथलेटिक्स स्पर्धा में अंडर-14 वर्ग की छात्रा नव्या ने 200 मीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों ने कबड्डी, एथलेटिक्स और कुश्ती स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई पदक अपने नाम किए। कबड्डी मुकाबलों में विद्यालय की अंडर-17 छात्र टीम ने पहला स्थान हासिल किया, वहीं अंडर-19 छात्रा टीम ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। इसके अलावा अंडर-14 छात्रा टीम ने भी कड़े मुकाबले के बाद दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता। एथलेटिक्स स्पर्धा में अंडर-14 वर्ग की छात्रा नव्या ने 200 मीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया, जबकि इसी वर्ग की 400 मीटर दौड़ में नीतू ने तीसरा स्थान पाया। वहीं कुश्ती के अखाड़े में भी खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, यश, अंकित, प्रिंस और मन्नू ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। खिलाड़ियों की सफलता पर विद्यालय की चेयरपर्सन शशिबाला एवं प्रिंसिपल प्रोमिला शर्मा ने पीटीआई धर्मबीर सैनी और योगेश यादव को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कुशल मार्गदर्शन और कठोर परिश्रम की बदौलत ही बच्चों ने यह मुकाम हासिल किया है।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

खंड स्तरीय कबड्डी स्पर्धा में सनशाईन की छात्राएं प्रथम

कोसली। बालधन कलां स्थित सनशाईन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्अ प्रदर्शन किया। कबड्डी के अंडर-14 वर्ग में लड़कियों ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि खो-खो के अंडर-14 वर्ग में लड़कियों ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स में अंडर-14 वर्ग की 100 मीटर रेस में रिया ने प्रथम व लॉन्ग जंप में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में ही 200 मीटर रेस में वंदना ने दूसरा स्थान हासिल किया। अंडर-14 वर्ग शॉर्टपुट में हितेश ने द्वितीय व लॉन्ग जंप में अनीश ने दूसरा स्थान हासिल किया। अंडर-14 वर्ग में क्रिकेट स्पर्धा में आकाश व अंडर-17 वर्ग में सुशांत, अमन व लक्की बॉलिंग और बैटिंग में चयनिय किए गए। इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

रेवाड़ी। विजेता खिलाड़ी शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

नशा शरीर का सबसे बड़ा शत्रु : जितेंद्र

- आजकल अपराधी सोशल मीडिया से हासिल करते है आटीपी व पासवर्ड : एएसआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने बुधवार को होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल व हिंदू सीनियर सैकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर एएसआई जितेन्द्र कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से यातायात नियमों के नियमों का पालन करने की भी अपील की। एएसआई ने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

एनएसएफडीसी योजना से अनीता बनी परिवार के लिए आर्थिक संबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

बावल निवासी 35 वर्षीय अनीता अपने परिवार के लिए आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई हैं। उनके परिवार में पांच सदस्य हैं। उनके पति नफे सिंह के दिव्यांग होने के कारण परिवार की आय सीमित थी, जिससे आर्थिक तंगी के चलते दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया था। अनीता ने बताया कि उन्हें हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम कार्यालय के माध्यम से एनएसएफडीसी योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने नवंबर 2025 में इस योजना के तहत किराना दुकान स्थापित करने के लिए एक लाख रुपए का ऋण प्राप्त किया, जिसमें निगम की ओर से 50 हजार रुपए की सब्सिडी भी प्रदान की गई। इस आर्थिक सहायता से उन्होंने अपनी किराना दुकान शुरू की जो आज उनके परिवार की आय का प्रमुख स्रोत बन चुकी है। इस आय से वह अपने दोनों बच्चों की शिक्षा का खर्च आसानी से वहन कर पा रही हैं। साथ ही पांच सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण भी सुचारू रूप से हो रहा है। अनीता ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का योजना के लिए आभार जताया है।

योजना के लाभार्थियों को बैंक लोन में भी मिल रही सब्सिडी

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक पवन कुमार ने बताया कि निगम की ओर से योजना के तहत अनुसूचित जाति के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे बेरोजगारों को अपना स्वयं का रोजगार शुरू करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण से अनुसूचित जाति परिवार पशुपालन, किराना दुकान, मनिहारी दुकान, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा या अन्य कोई कार्य कर सकते हैं। निगम की ओर से योजना के लाभार्थियों को कुल लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम 10 हजार रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

अनूठी पहल होटल मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने वाला हरियाणा का 7वां जिला बना रेवाड़ी

जेल के बंदियों के लिए शुरू हुआ होटल मैनेजमेंट कोर्स, तीन वर्ष के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला जेल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को पाक-कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बंदियों के कौशल विकास एवं पुनर्वास को सशक्त बनाने की दिशा में आईजीयू, डीएलएसए तथा जिला जेल अधीक्षक के मध्य समझौता ज्ञापनपर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईजीयू के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीजेएम डा. रेनु सोलखे, जिला जेल अधीक्षक रेशम तथा प्रो. अदिति शर्मा निदेशक युवा कल्याण एवं विभागाध्यक्ष, होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईजीयू के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी उपस्थित थे

रेवाड़ी। जेल परिसर में एमओयू का आदान-प्रदान करते करते हुए तथा कार्यक्रम में जानकारी देते हुए सीजेएम डा. रेनु सोलखे। फोटो : हरिभूमि

प्रशिक्षण के प्रथम बैच में 34 कैदी होंगे शामिल

प्रशिक्षण के प्रथम बैच में 34 कैदी शामिल होंगे। प्रशिक्षण अवधि 1 माह तथा एमओयू अवधि 3 वर्ष की रहेगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से कैदियों को सिलाई, हेयर कटिंग, डेयरी फार्मिंग एवं मशरूम कल्टीवेशन का प्रशिक्षण भी 1-2 दिन में शुरू किया जाएगा। यह 3 वर्षीय अनुबंध है। हर महीने इंटरेक्शन व फीडबैक के आधार पर नए बैच जोड़े जाएंगे।

समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे शिक्षा एवं कौशल विकास : कुलपति प्रो. मिगलानी

इस मौके पर कुलपति प्रो. मिगलानी ने कहा कि शिक्षा एवं कौशल विकास समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परिसर तक सीमित न रहकर समाज के उन वर्गों तक भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण पहुंचाना है, जिन्हें पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान करेगा। सीजेएम डा. सोलखे ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा रिहाई के बाद स्वावलंबी जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षण जेल में बंदियों को नई दिशा और पहचान प्रदान करेगा : जेल अधीक्षक

जिला जेल अधीक्षक ने कहा कि व्यावसायिक प्रशिक्षण बंदियों को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करेगा तथा उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत बनाएगा। प्रो. अदिति शर्मा ने बताया कि यह एक माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम होगा, जिसके अंतर्गत बंदियों को पाक-कला का व्यापक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण में भारतीय व्यंजन, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी उत्पाद, इटैलियन व्यंजन, विभिन्न प्रकार के सलाद, कॉन्टिनेंटल भोजन तथा आधुनिक कुकरी तकनीकों का प्रशिक्षण शामिल रहेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग के शिक्षकगण करेंगे। कार्यक्रम में डा. विक्रांत, डा. पवन तथा डा. नवनीत भी उपस्थित थे।